

**MASTER OF ARTS (Economics)**

02760

**Term-End Examination**

**December, 2010**

**MEC-006 : PUBLIC ECONOMICS**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

*Note : Attempt questions from each section as directed.*

**SECTION-A**

Attempt *any two* questions from this section.

(Answer in about 500 words each) : **2x20=40**

1. Define Public Economics. Critically examine why Public Economics is often called applied welfare economics ?
2. (a) Explain the economic advantages and disadvantages of decentralization.  
(b) Is there any scope for under-provisioning in decentralised decision making ?
3. (a) Discuss Tiebout model explaining its assumption.  
(b) What are the fault lines in inter-governmental competition as suggested in the Tiebout model ?
4. What are the objectives of public debt management ? Explain the important principles of debt management.

## SECTION-B

Attempt *any five* questions from this section.

(Answer in about 300 words each).

5x12=60

5. What do you understand by public good ? How does its existence lead to market failure ?
  6. How does transfer of grants correct vertical imbalance as well as horizontal imbalance in a federal country and achieve fiscal equalisation ?
  7. Describe in short Ramsey model of taxation. Explain the implications of the assumptions in the model.
  8. Explain the following :-
    - (a) Average cost pricing.
    - (b) Block pricing.
  9. What do you mean by a Social Welfare function ? Explain Samuelson-Bergson Social Welfare Function.
  10. Explain Lindhal pricing as applied to public goods.
  11. Discuss the relationship between public choice and social choice.
  12. Discuss Allingham Sandmo model of tax evasion.
-

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम एम.ए. (अर्थशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2010

एम.ई.सी.-006 : लोक अर्थशास्त्र

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : निर्देशानुसार प्रत्येक खंड से प्रश्न हल करें।

**खण्ड - क**

इस खण्ड से **किन्हीं दो** प्रश्नों को हल करें (लगभग 500 शब्दों में उत्तर दें) : 2x20=40

1. लोक अर्थशास्त्र की व्याख्या करें। आलोचनात्मक परीक्षण करें कि लोक अर्थशास्त्र को बहुधा व्यवहारिक कल्याणकारी अर्थशास्त्र क्यों कहा जाता है?
2. (a) विकेन्द्रीकरण के आर्थिक लाभ एवं हानियों की व्याख्या करें।  
(b) क्या विकेन्द्रीकृत निर्णय प्रक्रिया में अप-प्रावधानों (under-provisioning) के लिये स्थान होता है?

## खण्ड-ख

इस खण्ड से किन्हीं पांच प्रश्नों को हल करें :

(लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें) :

5x12=60

5. सार्वजनिक वस्तु से आप क्या समझते हैं? किस प्रकार इसका अस्तित्व बाजार तंत्र की क्रियाप्रणाली को समाप्त कर देता है?
6. किस प्रकार एक संघीय देश में अनुदानों का स्थानांतरण लंबवत् असंतुलन एवं क्षेत्रीय असंतुलन को सुधार देता है तथा राजकोषीय समानता को प्राप्त करने में सहायक होता है?
7. करारोपण के रामसे प्रादर्श की संक्षेप में व्याख्या करें। प्रादर्श में मान्यताओं के अंतर्भूत अर्थ क्या हैं, स्पष्ट करें।
8. निम्नांकित को स्पष्ट करें :
  - (a) औसत लागत कीमत निर्धारण
  - (b) खंड कीमत निर्धारण
9. एक सामाजिक कल्याण फलन से आप क्या समझते हैं? सैम्युलसन-बर्गसन सामाजिक कल्याण फलन की व्याख्या करें।
10. सार्वजनिक वस्तुओं पर लागू होने वाले लिंडाल कीमत निर्धारण की व्याख्या करें।
11. लोक चयन एवं सामाजिक चयन के मध्य संबंध का विवेचन करें।
12. कर वंचन के एलिंघम - सैंडमो प्रादर्श की व्याख्या करें।

3. (a) टीबू प्रादर्श की व्याख्या इसकी मान्यताओं को स्पष्ट करते हुये करें।
- (b) टीबू प्रादर्श में सुझाई गयी अंतर्प्रशासकीय 'गलती रेखायें' (fault lines) क्या हैं?
4. सार्वजनिक ऋण प्रबंधन के क्या उद्देश्य हैं? ऋण प्रबंधन के महत्वपूर्ण सिद्धांतों की व्याख्या करें।